Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Uttaradhyayanani Purvarddha

Folder No. 002950
Granth Name Uttaradhyayanani Purvarddha
Author Chirantanacharya, Kanchanvijayji
Publisher Devchand Lalbhai Jain Pustakoddhar Samstha
Edition 1
Year 1882
Pages 408

उत्तराध्ययनानी पूर्वार्द्ध

फोल्डर नं. ००२९५०
ग्रन्थ उत्तराध्ययनानी पूर्वार्द्ध
लेखक चिरंतनाचार्य, कञ्चनविजयजी
प्रकाशक श्री देवचन्द्र लालभाई जैन पुस्तकोद्धार संस्था
आवृत्ति १
प्रकाशन वर्ष १८८२
पृष्ठ ४०८

मुख्य टाइटल
પ્રકાશકીય નિવેદન
ઉત્તરજ્ઝયણ-ઉત્તરાધ્યયનસૂત્ર સંબંધિ વિવેચન ખ્યાલ
संपादकीय यत्किंचीत्
सावचूर्णिक-श्रीउत्तराध्ययनसूत्रपूर्वभागस्य लघुविषयानुक्रमः
विनयाध्ययनम्---------- १
परीषहाध्ययनम् ---------- १३
चातुरङ्गीयाध्ययनम् ---------- २९
असङ्ख्येयाध्ययनम् ---------- ३३
अकाममरणीयाध्ययनम्---------- ३९
क्षुल्लकनिर्ग्रन्थीयमध्ययनम् ---------- ४५
औरभ्रीयाध्ययनम् ---------- ४९
कापिलीयाध्ययनम् ---------- ५६
नमिप्रव्रज्याध्ययनम्---------- ६१
द्रुमपत्रकाध्ययनम् ---------- ७१
बहुश्रुतपूजाध्ययनम् ---------- ७८
हरिकेशीयाध्ययनम् ---------- ८५
चित्रसम्भूतीयाध्ययनम् ---------- ९८
इषुकारीयाध्ययनम् ---------- १०७
सभिक्षुकमध्ययनम् ---------- ११९

ब्रह्मचर्यसमाधिस्थानाध्ययनम् -- १२४
पापश्रमणीयमध्ययनम् -- १३१
संयत्याख्यमध्ययनम् -- १३५
मृगापुत्रीयमध्ययनम् -- १४६
महानिर्ग्रन्थीयमध्ययनम् -- १६०
समुद्रपालीयमध्ययनम् -- १७०
रथनेमीयमध्ययनम् -- १७६
केशिगौतमीयमध्ययनम् -- १८३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org